हे रोम रोम मे बसने वाले राम

हे रोम रोम मे बसने वाले राम,
जगत के स्वामी, हे अन्तर्यामी, मे तुझ से क्या मांगूं |

आप का बंधन तोड़ चुकी हूं, तुझ पर सब कुछ छोड़ चुकी हूं |
नाथ मेरे मै क्यूं कुछ सोचूं तू जाने तेरा काम ||

तेरे चरण की धुल जो पायें, वो कंकर हीरा हो जाएँ |
भाग मेरे जो मैंने पाया, इन चरणों मे ध्यान ||

भेद तेरा कोई क्या पहचाने, जो तुझ सा को वो तुझे जाने |
तेरे किये को हम क्या देवे, भले बुरे का नाम ||

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/59/title/he-rom-rom-me-basne-vaale-raam

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |